years, are still in the rental sheds. When all the needs in the country have been given to the entrepreneurs on ownership basis, the HMT Industrial Estate, the oldest in the country, should not be an exception. In spite of several representations made by the entrepreneurs, no action has been taken by the HMT to allot the sheds on ownership basis.

I, therefore, urge upon the Government to take immediate steps and direct the HMT authorities to confer ownership on the entrepreneurs.

Increase in incidents of fake encounters in Punjab

श्री भूपेन्द्र सिंह मान (नाम निर्देशित) : मैडम, मैं आपके माध्यम से सरकार से कुछ बातें कहना चाहता हूं । कुछ बातें हैं जिनको हम वैसे तो एनकाउंटर कहेंगे अखबार में छपा जाए तो ब्रैकेट और कोमा के साथ छप जाएगा, आम लोग इसको जाली मुकाबला कहेंगे और घर वाले इसको कत्ल कहेंगे । यह मसला आज भी पंजाब में है । बहुत से लोग इस बात की जरूरत समझते हैं कि उनके देश के कानून के प्रति सबमें विश्वास हो और मैं भी उसमें से एक हूं । मेरे ऊपर आज तक जितने केस बने हैं, झूठे बने हैं, एक भी सच्चा नहीं बना । मैं आपको बताना चाहता हूं, जितने केस मेरे ऊपर बने हैं वे सच्चे नहीं हैं । अगर एक भी उनमें से सच्चा होता तो आज मैं यहां कहता कि सच्चे केस भी बन सकते हैं । तो जब किसी पुलिस मुकाबले को कोमा में डालकर कोई अखबार यह खबर छापा है तो मुझे पता चल जाता है कि यह कौन सा पुलिस मुकाबला है ।

पंजाब में अभी यह खबर छपी है । सी०पी०आई० के कुछ वर्कर हैं और 1947 से उनका एक जमीन के ऊपर कब्जा है । जमीन का मालिक उनसे जमीन छुड़वाना चाहता है । उसने पुलिस से बात करके, कुछ न कुछ करके घर के ऊपर हमला किया, पुलिस को साथ लेकर हमला कर दिया और उसके बाद उसके दो लड़कों को निकालकर पुलिस ने उन्हें गोली मार दी और कह दिया कि यह एनकाउंटर है । अखबार में छप गया और लोगों में आम चर्चा हो गई कि यह जाली पुलिस मुकाबला है । घर वाले कहते हैं कि यह कत्ल है । इस कत्ल के संबंध में वे जगह-जगह ढूंढते फिरते हैं कि कौन हमें बताए कि इसकी इंक्वायरी हो सकती है और वह बाप जिसके दो बेटे मारे गए हैं, सुबह-सुबह जब लोग पूजापाठ करते हैं, किसान हल चलाने की बात करता है, उस वक्त पुलिस आई और उसके लड़कों को घर में बाहर निकालकर कत्ल कर दिया, वह बाप ढूंढता फिरता है कि कौन इस कत्ल की इंक्वायरी करे, मामला देखे कि यह कत्ल है या नहीं ।

मैं मैं आपके माध्यम से सरकार से यह कहना चाहता हूं कि यह बहुत जरूरी है कि हमारे मन में देश के कानून के प्रति और कानून को लागू करने वाले लोगों के प्रति विश्वास हो । अगर यह विश्वास टूटता है और यह विश्वास तोड़ने वाले ही वही लोग हैं जो देश की रक्षा करने वाले लोग हैं, तो इससे बड़ी दुर्भाग्य की बात और कोई नहीं हो सकती है ।

पंजाब में ऐसे ही और केस हमने लिए हैं । कोटला-अजमेर खन्ना के पास, वह भी पुलिस मुकाबला नहीं था, ऐसे ही मर्डर था, उसकी इंक्वायरी हुई, आखिर तक आई और यहां आकर बात ठप्प हो गई कि किसी पुलिस वाले के ऊपर कोई केस तब तक नहीं चल सकता जब तक सेंट्रल गवर्नमेंट उसको इजाजत नहीं देती । इसलिए मैं चाहूंगा कि आपके माध्यम से सरकार से कहूं कि इस केस की जल्दी से जल्दी निष्पक्ष इंक्वायरी करके जो भी पुलिस के कर्मचारी दोषी हैं उनको सजा दी जाए ताकि कानून पर विश्वास रखने वाले लोगों में भी कानून का विश्वास बहाल हो ।

Need for the protection of Royalty rights of authors

श्रीमती सरला माहेश्वरी (पश्चिमी बंगाल) : माननीय उपसभाध्यक्ष महोदया, समाज में साहित्य की महती भूमिका में